कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 16.11.2022

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में संगोष्ठी
मुक्तिबोध की कविताओं में जीवन संघर्ष का चित्रण मिलता है

शासकीय डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा गजानन माधव मुक्तिबोध की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मुक्तिबोध एक महान साहित्यकार है। मुक्तिबोध का काव्य सरलता से सभी के हृदय को छुता है उन्होनें शोषित वर्ग, मजदूर, किसान आदि के मन की भावनाओं को अपनी कविता में व्यक्त किया है।

उन्होनें ब्रम्हराक्षस, अंधेरे में, मृत्यु और कवि, लकड़ी का रावन और बेचैन झील कविताओं समेत कई कहानियाँ और निबंध संग्रह लिखे थे।

श्रीमती ज्योति भरणे, सहायक प्राध्यापक हिन्दी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रयोगशीलता व प्रगतिशीलता के यथार्थ कवि मुक्तिबोध जी है। उनको किसी परम्परा में बांधना उनके प्रति अन्याय है। वे विचारक व विचारभूमि के व्यकित थे जिनमें सहस्त्र संवेदनाओं की तरंग उठती है मुक्तिबोध सफलता के सरल पथ को छोड़कर जीवन की उलझनों में स्वयं को डालते है।

श्रीमती आरती सिंह, सहा0 प्राध्यापक हिन्दी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि उनकी कविताओं में मध्यमवर्गीय जीवन संघर्ष का चित्र है मानवीय पीड़ा के निदान का स्वर है मुक्तिबोध शोषित, पीड़ित, दलित आदि के लिए अपनी कविताओं के माध्यम से मुक्ति का मार्ग खोजते है मुक्तिबोध मानवतावादी और जनवादी साहित्यकार है।

इस अवसर पर एम. ए. हिन्दी साहित्य की छात्रायें कु. प्रेरणा शर्मा, कु. किरण सोनबेर, कु. भूमिका, कु. वर्षा, तनु कटारिया, लक्ष्मी साहू, खुशबू हरमुख ने मुक्तिबोध के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी कविताओं का पाठ किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव व आभार प्रदर्शन कु. पूजा चेलक ने किया। छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

समाचार के रुप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या
स्नात. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)

गर्ल्स कॉलेज में संगोष्ठी
मुक्तिबोध की कविताओं में जीवन संघर्ष का चित्रण मिलता है